CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 14 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, गुरूवार, 18 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

चुनाव समिति से शाहनवाज और जुएल उरांव की भी छुट्टी

बीजेपी ने संसदीय बोर्ड से गडकरी और शिवराज को हटाया, येदियुरप्पा, सोनोवाल को जगह

नई दिल्ली। भाजपा ने बुधवार को नए संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति का ऐलान किया है। 11 सदस्यों वाले संसदीय बोर्ड से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को हटा दिया गया है। शिवराज को 2013 में बोर्ड में शामिल किया गया था। वहीं शाहनवाज हुसैन और जुएल उरांव को भी चुनाव समिति से बाहर किया गया है। नए संसदीय बोर्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह के अलावा सर्वानंद सोनोवाल, बीएस येदियुरप्पा, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया और पार्टी सचिव बीएल संतोष को जगह मिली है। संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति में एक भी सीएम को भी जगह नहीं मिली है।

15 सदस्यों की केंद्रीय चुनाव समिति- इसके साथ ही बीजेपी ने 15 सदस्यों की केंद्रीय चुनाव समिति का गठन किया है। इसमें पीएम मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह के अलावा बीएस येदियुरप्पा, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, बीएल संतोष और वनथी श्रीनिवास को जगह दी गई है।

संसदीय बोर्ड सबसे ताकतवर संस्था

भाजपा में पार्टी की संसदीय बोर्ड को सबसे ताकतवर माना जाता है। गठबंधन से लेकर हर बड़े फैसले बोर्ड की 11 सदस्यीय टीम लेती है। इसके अलावा राज्यों में मुख्यमंत्री का चेहरा या विधान परिषद का नेता चुनने का काम भी इसी इकाई का होता है। पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश के सीएम और विपक्ष का नेता चुनने का काम संसदीय बोर्ड ही करती है। राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर गठबंधन को लेकर भी संसदीय बोर्ड का ही फैसला अंतिम माना जाता है।

चुनाव समिति दूसरी सबसे ताकतवर संस्था

संसदीय बोर्ड के बाद चुनाव समिति बीजेपी में दूसरी सबसे ताकतवर संस्था के तौर पर जानी जाती है। चुनाव समिति के सदस्य लोकसभा से लेकर विधानसभा चुनाव के टिकटों पर फैसला लेते हैं। चुनावी मामलों की सभी शक्तियां पार्टी की चुनाव समिति के पास हैं। 2014 लोकसभा चुनाव से पहले नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री उम्मीदवार भी केंद्रीय चुनाव समिति ने ही तय किया था। तब पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनाथ सिंह हुआ करते थे।

नितिन गडकरी ने कहा था- मन करता है राजनीति छोड़ दूं

पिछले महीने एक कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था- कभी-कभी मन करता है कि राजनीति ही छोड़ दूं। समाज में और भी काम हैं, जो बिना राजनीति के किए जा सकते हैं। गडकरी ने कहा कि महात्मा गांधी के समय की राजनीति और आज की राजनीति में बहुत बदलाव हुआ है।

दलित स्टूडेंट के घर पहुंचे भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष

सुराणा-पोषाणा गांव में 700 जवान तैनात, 2 जेसीबी, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तैनात

जालोर। टीचर की कथित पिटाई से दलित स्टूडेंट की मौत के बाद पीड़ित के घर नेताओं के आने का सिलसिला जारी है। घटना के बाद से ही प्रदेश में संवेदना, सहानुभूति की राजनीति तेज है। जालोर के सुराणा गांव में मंगलवार को दिनभर मंत्रियों, विधायकों और जनप्रतिनिधियों का चक्कर लगता रहा। गांव में 6 जिलों के 700 जवान तैनात किए गए हैं। आज भीम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतपाल तंवर सुराणा गांव पहुंचे। एआईसीसी राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल, मंत्री परसादी लाल मीणा सहित कई दूसरे राज्यों से दलित समाज के नेताओं के आने की संभावना है। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य शिव भगवान नागा भी सुराणा गांव आएंगे। । गुरुवार को भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद आएंगे। भीम सेना और भीम आर्मी के नेताओं के आज व कल होने वाले दौरे को लेकर पुलिस और जिला प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। दलित नेताओं के लिए कार्यक्रमों को लेकर सुराणा के पास पोषाणा गांव में सरकारी खर्च पर 2 जेसीबी, फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस और पुलिस तैनात है। कलेक्टर निशांत जैन ने कहा कि यहां पार्किंग की व्यवस्था करवा रहे हैं। जबकि मृतक छात्र इंद्र मेघवाल के घर से सभास्थल की दूरी 20 किलोमीटर है। वहीं, जालोर मुख्यालय सहित सुराणा में बाहर से आने वाले रास्तों के पॉइंट पर पुलिस फोर्स तैनात है। जिले की पुलिस के साथ ही मेवाड़ भील कोर पुलिस दल को बुलाया गया है।

मंत्रियों के साथ पीड़ित परिवार से मिले डोटासरा

इससे पहले मंगलवार को गहलोत सरकार के 5 मंत्री, पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट समेत 15 विधायक सुराणा पहुंचे थे। मंगलवार सुबह 9 बजे से यहां पर नेताओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया था। सबसे पहले जैसलमेर विधायक रूपाराम मेघवाल पहुंचे। उनके बाद राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की पत्नी गोलमा देवी भी पहुंचीं और मृतक परिवार को 1 लाख की सहायता राशि सौंपी। उसके बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पहुंचे। उनके साथ पीडब्लूडी मंत्री भजनलाल जाटव, जालोर के प्रभारी मंत्री अर्जुनराम बामणिया, आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद राम मेघवाल, बाल अधिकारिता मंत्री ममता भूपेश समेत कुछ विधायक सुराणा पहुंचे थे।

20 लाख की आर्थिक सहायता की घोषणा

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद जालोर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से 20 लाख रुपए की आर्थिक सहायता छात्र के परिजनों को देने की घोषणा की। डोटासरा ने बताया कि एसटी-एससी का कानून है, उसके अनुसार परिवार को सवा 8 लाख रुपए मिलेंगे। पहली किस्त 4 लाख 12 हजार की मिल चुकी है। दूसरी किस्त 4 लाख 13 हजार रुपए चालान होते ही मिल जाएगी। स्कूल में हुई घटना की सरकार व शिक्षा विभाग जांच कर रहा है। परिवार के अन्य बच्चों की पढाई की व्यवस्था सरकार कर रही है। पीड़ित परिवार की मांग के अनुसार एक कॉन्स्टेबल को तो पहले से निलंबित कर दिया गया है।

दलित अत्याचार पर राज्य सरकार बड़ा कदम उठाएः पायलट

डोटासरा समेत मंत्रियों के जालोर पहुंचने के बाद वन मंत्री हेमाराम चौधरी समेत कुछ विधायकों के साथ सचिन पायलट भी मंगलवार को पीड़ित के घर पर पहुंचे। इस दौरान परिजनों ने पुलिस पर सही जांच नहीं करने का आरोप लगाया। पायलट ने कहा कि दलितों के साथ हो रहे अत्याचार को लेकर राज्य सरकार को बड़ा कदम उठाना चहिए। उन्होंने कहा इंद्र के पिता कह रहे हैं कि परिवार के साथ पुलिस ने गलत व्यवहार किया था। एडीएम पर भी आरोप लगा रहे हैं, इस पर सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए।

राजस्थान के 7 लाख कर्मचारी 24 अगस्त से करेंगे आंदोलनः3 साल से ठंडे बस्ते में सामंत कमेटी रिपोर्ट, खेमराज कमेटी कार्यकाल और बढ़ाया

जयपुर। राजस्थान के 7 लाख सरकारी कर्मचारियों ने 24 अगस्त से आंदोलन की घोषणा कर दी है। गहलोत सरकार की ओर से खेमराज कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने से राज्य कर्मचारी ने गहरी नाराजगी जताई है। इससे पहले बनी सामंत कमेटी की रिपोर्ट भी सरकार ने 3 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं की है। इससे राज्य कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है। चुनावी साल से पहले बार-बार कर्मचारियों के हितों से जुड़ी कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने से कर्मचारी वर्ग में इसलिए नाराजगी है कि सरकार उनकी बुनियादी मांगों को टालने की कोशिश कर रही है। अपनी मांगों को लेकर राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत ने आंदोलन की घोषणा करते हुए सामंत कमेटी और खेमराज कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और वेतन विसंगति दूर करने की मांग प्रमुख रूप से रखी है।

खेमराज कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने से 7 लाख कर्मचारी नाराज

राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने कहा- खेमराज कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने के विरोध में कर्मचारियों में बड़ा आक्रोश है। इससे पहले सामंत कमेटी की रिपोर्ट भी 2019 से ठंडे बस्ते में पड़ी है। सरकार बार-बार कमेटियां बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ा रही है। खेमराज कमेटी का कार्यकाल 31 अगस्त 2022 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2022 तक कर दिया है।

इसी को देखते हुए राज्य के 7 लाख कर्मचारियों में आक्रोश है। 24 अगस्त को सभी जिला कलेक्टर के जरिए सीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो 27 अगस्त को उदयपुर में बड़ी रैली निकाली जाएगी।

गजेन्द्र सिंह ने कहा कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि राज्य कर्मचारियों की पे मेट्रिक्स केन्द्र के बराबर हो, 2400 की ग्रेड को 9840 किया जाए। चयनित वेतनमान 9-18-27 की जगह 8-16-24-32 किया जाए। सहायक कर्मचारियों का वेतन 18 हजार और पदनाम एमटीएस किया जाए।

संविदा कर्मचारियों से किए गए वादों को सरकार पूरा करे। हमारी मांग है कि खेमराज कमेटी की रिपोर्ट को उजागर किया जाए। कर्मचारियों की वेतन कटौती नहीं हो। मंत्रालयिक कर्मचारियों की मुख्य मांग सचिवालय सेवा में सेकंड प्रमोशन का पद 4200 ग्रेड पे का है।

अजीत डोभाल की सुरक्षा में चूक पर एक्शन

तीन कमांडो बर्खास्त, डीआईजी और कमांडेंट का ट्रांसफर; एनएसए के घर में घुसने की कोशिश हुई थी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में सीआईएसएफ के 3 कमांडो को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा डीआईजी और कमांडेंट रैंक के दो अफसरों का ट्रांसफर कर दिया गया है। गृह मंत्रालय के अफसरों ने इसकी जानकारी दी है। मामला फरवरी 2022 का है, जब एक संदिग्ध शख्स कार लेकर डोभाल के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में घुसने की कोशिश कर रहा था। हालांकि मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। पकड़े जाने के बाद उसने कहा कि उसकी बॉडी में चिप लगी है और रिमोट से चलाया जा रहा है। जांच में उसकी बॉडी में कोई चिप नहीं मिली। अजित डोभाल दिल्ली के सबसे सुरक्षित इलाके लुटियंस जोन के 5 जनपथ बंगले में रहते हैं। इससे पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल यहीं रहते थे।

16 फरवरी 2022 को कर्नाटक का एक शख्स डोभाल के घर का सुरक्षा घेरा तोड़ने की फिराक में पकड़ा गया।

डोभाल ने की थी सर्जिकल स्ट्राइक की प्लानिंग

2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद सरकार के कहने पर डोभाल ने ही पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सर्जिकल स्ट्राइक प्लान की थी। जिसके बाद 26 फरवरी 2019 को इंडियन एयरफोर्स के फाइटर प्लेन्स ने LoC क्रॉस कर बालाकोट में आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया था। डोभाल के बारे में यह भी मशहूर है कि वे करीब 7 साल तक पाकिस्तान में जासूस बनकर रहे थे। इसके अलावा ऑपरेशन ब्लू स्टार और ब्लू थंडर में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

कश्मीर में बढ़ सकती है टारगेट किलिंग

हर घर तिरंगा अभियान के बाद निशाने पर कश्मीरी पंडित; ऑपरेशन रेड वेव से 200 लोग हिट लिस्ट में

श्रीनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान घाटी में जगह-जगह तिरंगा फहराए जाने से भड़के आतंकी कश्मीरी पंडितों को निशाना बना सकते हैं। गृह मंत्रालय ने इसको लेकर चेतावनी जारी कर दी है। मंगलवार को शोपियां में दो कश्मीरी पंडितों पर अटैक होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है। इधर, शोपियां में कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद जम्मू में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया है। शोपियां में कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद श्रीनगर स्थित कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति (KPSS) के अध्यक्ष संजय कुमार टिक्कू ने मंगलवार को सभी पंडितों को घाटी छोड़ने के लिए कहा।

डिटेंशन सेंटर में ही रहेंगे रोहिंग्या

हरदीप पुरी ने फ्लैट और सुरक्षा देने को कहा था, अब गृह मंत्रालय बोला- ऐसा कोई आदेश नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को घर दिए जाने की खबरों को गृह मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कुछ रिपोर्ट्स में रोहिंग्याओं को फ्लैट्स देने की बात कही जा रही है। हमने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है कि अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली के बक्करवाला में फ्लैट्स दिए जाएंगे। दरअसल, बुधवार को ही केंद्रीय आवास मंत्री हरदीप पुरी ने ट्वीट कर फ्लैट्स दिए जाने की बात कही थी। गृह मंत्रालय ने कहा- दिल्ली सरकार ने हमें प्रपोजल दिया था कि रोहिंग्या को नई लोकेशन पर शिफ्ट किया जाए। लेकिन, हमने उन्हें निर्देश दिया कि अवैध रोहिंग्या को अभी वहीं रखा जाए, जहां वे हैं। उनके डिपोर्टेशन (निर्वासन) की बातचीत चल रही है। तब तक उन्हें डिटेंशन सेंटर में ही रखा जाएगा। दिल्ली सरकार ने उन जगहों को डिटेंशन सेंटर घोषित नहीं किया, जहां अवैध रोहिंग्या को रखा गया है। हमने उन्हें तुरंत ऐसा करने का निर्देश दिया है। केंद्रीय शहरी विकास और आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को ट्वीट किया कि भारत ने हमेशा शरण मांगने वालों का स्वागत किया है। एक ऐतिहासिक फैसले में तय किया गया है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली के बककरवाला में EWS फ्लैट्स में शिफ्ट किया जाएगा।

भारत ने हमेशा शरणार्थियों का स्वागत किया है — हरदीप सिंह पुरी | रोहिंग्या अवैध शरणार्थी हैं, इन्हें वापस भेजा जाएगा — केंद्रीय गृह मंत्रालय

5 साल में होंगे 777 इंटरनेशनल क्रिकेट मैच

30 साल बाद भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज में होंगे 5 टेस्ट, आईपीएल विंडो को भी मिला ग्रीन सिग्नल

दुबई। दुनियाभर में टी-20 लीग के बढ़ते दबदबे के बावजूद इंटरनेशनल मैचों की संख्या में इजाफा होने जा रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने साल 2023 से 2027 तक के लिए फ्यूचर टूर्स प्रोग्राम (FTP) जारी कर दिया है। इन पांच सालों में ICC के 12 फुल मेंबर्स कुल 777 इंटरनेशनल मैच खेलेंगे। इनमें 173 टेस्ट, 281 वनडे और 323 टी-20 इंटरनेशनल मैच शामिल हैं। 2019-2023 के पिछले FTP में कुल 694 मैच शामिल थे। यानी इस बार 81 मैच ज्यादा होंगे। हर साल अप्रैल और मई में BCCI को IPL का विंडो मिला है। इन दिनों इंटरनेशनल मैच न के बराबर होंगे।

नए FTP की सबसे खास बात भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज के मैचों में इजाफा है। अब इस सीरीज में 5 टेस्ट खेले जाएंगे। 1992 के बाद यह पहली बार होगा जब बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में 5 टेस्ट खेले जाएंगे। पिछले कुछ सालों से इस सीरीज में 4 टेस्ट मैच ही होते थे। 2023-2027 के बीच भारत और ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट मैचों की 2 सीरीज खेलेंगे। एक सीरीज ऑस्ट्रेलिया में और एक भारत में होगी।

40 वनडे ज्यादा खेले जाएंगे- पिछली FTP की तुलना में अगली बार 22 टेस्ट, 40 वनडे और 25 टी-20 मैच ज्यादा खेले जाएंगे। ICC के इस कदम से यह बात भी निराधार साबित हो गई कि वह वनडे क्रिकेट पर ध्यान नहीं दे रही है। कई एक्सपर्ट वनडे क्रिकेट की घटती संख्या पर चिंता जता रहे थे।

अगली दो WTC के फेस-टु-फेस भी जारी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के अगले दो राउंड में कौन सी टीम किससे मुकाबला करेगी यह जानकारी भी सामने आ गई है। 2023-2025 WTC में टीम इंडिया न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और बांग्लादेश की मेजबानी करेगी और ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका के दौरे पर जाएगी। 2025-2027 WTC में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका की मेजबानी करेगी और न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और श्रीलंका के दौरे पर जाएगी। WHITE BALL क्रिकेट में त्रिकोणीय सीरीज की वापसी हो रही है। फरवरी 2025 में पाकिस्तान की टीम अपनी मेजबानी में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के साथ वनडे ट्राई सीरीज खेलेगी।

प्रतापगढ़ में 7 इंच तक बारिश, 6 शहरों में भारी बारिश का अलर्ट

राजस्थान में 10 बांध ओवरफ्लो, छोड़ा पानीः चंबल उफान पर

जयपुर। राजस्थान में पिछले 2 दिन से हो रही भारी बारिश ने दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के बांधों को ओवरफ्लो कर दिया। 10 बांधो के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। 5 शहरों की प्यास बुझाने वाले बीसलपुर बांध का गेज 311.90 आरएल मीटर तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने 24 घंटे के दौरान 6 जिलों में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। बीते 24 घंटे के दौरान कोटा, उदयपुर, जोधपुर संभाग के 7 जिलों में 4 इंच से ज्यादा बरसात हुई। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि बंगाल की खाड़ी से जो डिप्रेशन सिस्टम बना था, वह अभी राजस्थान के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में एक्टिव है। यह पश्चिम-उत्तर की ओर से मूव कर रहा है। इससे अगले 24 घंटे के दौरान जोधपुर, बीकानेर संभाग के 6 जिलों में बारिश होगी।

मौसम केन्द्र जयपुर के मुताबिक उदयपुर, सिरोही, प्रतापगढ़, पाली, जोधपुर, झालावाड़, डूंगरपुर जिलों के कई इलाकों में 4 इंच (100एमएम) से ज्यादा बरसात हुई। सबसे ज्यादा बरसात प्रतापगढ़ के अरनोद में 173एमएम (7 इंच) हुई। राजस्थान, M P में हुई भारी बारिश के कारण चंबल नदी फुल कैपेसिटी के साथ बह रही है। इस पर बने सभी बांधों के गेट खोल दिए हैं। M P में बने गांधी सागर बांध के 8 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके चलते चित्तौड़गढ़ के राणा प्रताप सागर के 6, कोटा के जवाहर सागर के 7 और कोटा बैराज के 13 गेट खोलने पड़े हैं। कोटा बैराज से 11.80 लाख क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जा रहा है।

इन बांधों के भी गेट खोले

तेज बारिश के कारण झालावाड़ के कालीसिंध डैम के 5 गेट, छापी के 4 गेट और राजगढ़ बांध के 5 गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा है। चित्तौड़गढ़ के गंभीरी डैम के आज 8 गेट से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। बांसवाड़ा के माही बजाज सागर बांध से आज सुबह 9 बजे वापस 4 गेट खोलकर 25 हजार क्यूसेक पानी छोड़ना शुरू कर दिया। डूंगरपुर को सोम कमला आंबा बांध के 4 गेट खोले गए हैं।

बीसलपुर बांध का जलस्तर 311.90 आरएल मीटर पहुंचा- तेज बारिश ने अजमेर, जयपुर, टोंक के लोगों के लिए पीने के पानी की समस्या को दूर कर दिया। पिछले 24 घंटे के दौरान बीसलपुर बांध का गेज 18 सेमी. बढ़ गया। लगातार त्रिवेणी से पानी आ रहा है। बांध का गेज आज सुबह 8 बजे 311.90 आरएल मीटर तक पहुंच गया। वहीं, त्रिवेणी नदी का गेज अभी 5.80 मीटर पर चल रहा।

दिल्ली हाईकोर्ट की बाबा रामदेव को फटकार

कहा- लोगों को गुमराह न करें, बाइडेन के कोरोना पॉजिटिव होने को मेडिकल साइंस का फैलियर बताया था

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को योग गुरु बाबा रामदेव को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा- लोगों को गुमराह नहीं करें। जो ऑफिशियल जानकारी है, उससे ज्यादा कुछ न कहें। कोविड वैक्सीन लगने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कोरोना संक्रमित हुए थे। रामदेव ने इसे चिकित्सा विज्ञान की विफलता बताया था। रामदेव द्वारा एलोपैथी के खिलाफ बयान देने पर विभिन्न डॉक्टरों के संघों ने मुकदमा दायर किया था। इसकी सुनवाई करते हुए जस्टिस अनूप जयराम भम्बानी ने कहा- आयुर्वेद एक मान्यता प्राप्त, प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद के अच्छे नाम को नुकसान नहीं पहुंचाएं। रामदेव ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं का नाम अपने बयान में लिया है, उन नेताओं और उनके देशों से हमारे संबंध हैं।

पुलिस गश्त पर लगे सवालिया निशान, चोरों ने चौथी बार चटकाए दो दुकानों के ताले

मरुधर विशेष

कामां/आमिर खान कामां। कामां कस्बे में नगरपालिका के सामने स्थित किराना व तंबाकू स्टोर की दो दुकानो में चोरों ने चौथी बार ताले तोड कर चोरी कर ली चोरों ने चौथी बार घटना को अंजाम देकर पुलिस की गश्त पर सवालिया निशान लगाकर कामां पुलिस के सामने ही चुनौती पैदा कर दी7 चोरों चोरी की घटना को अंजाम दिए कि दिए जाने पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है घटना की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाल कर चोरों की पहचान करना शुरू कर दिया है। दुकान मालिक गिरधारी खंडेलवाल ने बताया कि नगरपालिका के सामने उसका किराना स्टोर का शोरूम है अज्ञात चोरों ने देर रात को दुकान की तीसरी मंजिल के ऊपर का जंगला तोड़कर दुकान में प्रवेश किया और दुकान में रखी हजारों रुपए की नकदी व कीमती सामान्य ड्राई फ्रूट चोरी कर ले गए इसके अलावा इसी दुकान के पीछे की साइड में स्थित प्रमोद शर्मा की तंबाकू की दुकान में भी चोर चोरी कर हजारों रुपए की नकदी, पीतल व पीतल हुक्के आदि चोरी कर ले गए दुकान मालिकों का कहना है कि चोरों ने चौथी बार घटना को अंजाम दिया है पहले भी तीन बार कामा थाने में चोरी की घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई जा चुकी है लेकिन अभी तक पुलिस पूर्व में हुई घटनाओं का खुलासा नहीं कर सकी है चोरों के हौसले बुलंद है और बार-बार चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं।

उपखंड अधिकारी द्वारा किया गया सम्मानित

मरुधर विशेष / नरेन्द्र शास्त्री

अलवर द्वद्व क्षेत्र के नीमराना ब्लॉक के गाँव काठुवास निवासी युवा लेखक उमेश नागर पुत्र श्री झगडूराम नागर को साहित्य मे योगदान के लिए नीमराणा उपखंड अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया 7 कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी मुकुट सिंह चौधरी रहे।

तिजारा निरंजन सैन को सम्राट समिति जिला अध्यक्ष बनाया

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा निरंजन सैन को सैन समाज का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया जिसमें समाज के लोगों ने निरंजन सैन का सम्मान माला साफा बांधकर किया निरंजन सैन जिलाध्यक्ष ने बताया मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं समाज के हित के लिए कार्य करूंगा एवं समाज के लिए हर समय पर तत्पर रहूंगा इस अवसर पर कन्हैया लाल सेन राम किशन मेघवाल एससी प्रदेश मंत्री बने सिंह भाजपा शहर अध्यक्ष गुरमाड़ी जी यशपाल आचार्य वीएचपी जिला मंत्री भारत सैनी पुलिस मित्र टीम संस्थापक ईश्वर सेन नंदकिशोर सेन संजू सैनी राधे-राधे ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक सेन महेश सेन सानू अभिषेक सेन संजय सेन आदि लोग मौजूद रहे।

वागड़ के कला साधकों ने पुष्कर में मचाई धूम

बांसवाड़ा ब्यूरो चीफ अरुण जोशी की रिपोर्ट

बांसवाड़ा। डूंगरपुर 18 अगस्त संस्कार भारती अजय मेरु एवं श्री रंगनाथ वेणुगोपाल पुराना रंगजी मंदिर पुष्कर के तत्वावधान में 15 दिवसीय संगीत का वृहद कार्यक्रम श्रीरंगम संगीत महोत्सव 2022 के अंतर्गत डूंगरपुर के कला साधकों ने भी अपनी प्रस्तुतियां दी जिसमें श्रोताओं के साथ विदेशी पर्यटकों ने भी भक्ति मय भजनों के साथ झूमते हुए श्रावण का आनंद लिया वागड़ से श्री रामदेव भक्ति लहर के लक्ष्मीकांत जेठवा मुख्य भजन गायक तथा तबला वादक ओमप्रकाश जेठवा दोनों भ्राता कला के क्षेत्र में जेठवा बंधु के नाम से जाने पहचाने जाते हैं, संस्कार भारती से भूपेश शर्मा, जगदीश वैष्णव, ढोलक वादक राजेश भारद्वाज, जितेंद्र खोईवाल, तथा अनिल खोईवाल ने कोरस तथा झंकार रिदम पर संगत देकर चार चांद लगाए। सर्वप्रथम अजय मेरु इकाई द्वारा अतिथि ओमप्रकाश जेठवा ने मां शारदे तथा भारत माता के समीप दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित किए गए तत्पश्चात कला साधकों का तिलक तथा सोल उठाकर मंदिर कमेटी ने स्वागत किया अगली कड़ी में लक्ष्मीकांत जेठवा द्वारा गणेश वंदना के साथ शिव भजन, श्री कृष्ण भजन, लोक देवता बाबा रामदेव के भजन, तथा श्री राम के भजनों की लड़कियों के साथ ओमप्रकाश जेठवा की तबला संगत आकर्षण का केंद्र रही। अंत में अजमेर संस्कार भारती द्वारा प्रतीक चिन्ह देकर वागड़ के कलाकारों का सम्मान किया गया। ये जानकारी ओमप्रकाश जेठवा ने दी।

29 अगस्त से 3 सितंबर तक आयोजित होगा भोजन थाली परिक्रमा मेला

मरुधर विशेष/आमिर खान कामां

कामां -भोजन थाली परिक्रमा व कुश्ती दंगल मेले को लेकर कस्बे के नागरिकों की बैठक नगर पालिका परिसर में पूर्व पालिकाध्यक्ष बृजकिशोर लोधा की अध्यक्षता में आयोजित की गई7

मिली जानकारी के अनुसार बैठक में मौजूद कामा कस्बे वासियों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए छह दिवसीय मेले में रात्रि को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा के थी जिनमें तय किया गया कि 29 अगस्त भाद्रपद शुक्ल को सुबह ऐतिहासिक लाल दरवाजे पर गणेश पूजन किया जाएगा इसके उपरांत कामसेन स्टेडियम में ध्वजारोहण होगा दोपहर को बैंड बाजों के साथ धूमधाम से कामां कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर शोभायात्रा निकाली जाएगी इसी दिन रात को कोट ऊपर रामलीला मैदान में छंद रसिया दंगल का आयोजन होगा दूसरे दिन 30 अगस्त को नौटंकी तीसरे दिन 31 अगस्त को रात्रि को रागनी कार्यक्रम आयोजित होगा7 चौथे दिन 1 सितंबर को कव्वाली मुकाबला पांचवे दिन 2 सितंबर को विराट कवि सम्मेलन व अंतिम दिन 3 सितंबर को स्थानीय कवि सम्मेलन का आयोजन होगा7 बैठक में उपस्थित लोगों ने दो दिवसीय कुश्ती दंगल कराए जाने की मांग रखी जिस पर सर्वसम्मति से यह तय हुआ कि जिला प्रशासन के सामने दो दिन का कुश्ती दंगल कराने का प्रस्ताव रखा जाएगा इसके बाद प्रशासन पर निर्भर करता है कि वह एक दिन की स्वीकृति देता है या दे दिन की स्वीकृति दी जाती हैं प्रशासन द्वारा यदि एक दिन की स्वीकृति दी जाती है तो दंगल एक दिवसीय ही होगा7

बैठक में उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा ,पालिकाध्यक्ष गीता खंडेलवाल, पूर्व मंत्री मदन मोहन सिंघल, पूर्व विधायक समसुल हसन, पूर्व पालिकाध्यक्ष रामशरण दनगस, व्यापार महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप अरोड़ा, सत्येंद्र प्रसाद जैन, हरिओम सोनी, पार्षद किशोर तिवारी सहित नगर पालिका पार्षद व अन्य कस्बा वासी मौजूद थे।

छात्र संघ चुनाव को लेकर खड़िया ने भरी हुंकार, एक के बाद एक बैठकों का दौर शुरू

खड़िया ने एसटी एससी छात्र संघ एवं एनएसयूआई गठबंधन के उम्मीदवारों को जिताने का संकल्प लिया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। अनुसूचित जाति और जनजाति छात्र संगठन जिला शाखा विधानसभा कुशलगढ़ की बैठक राजकीय महाविद्यालय सज्जनगढ़ कॉलेज मैदान में युवा नेता रोहित खड़िया के मुख्य अतिथि एवं विधानसभा मुख्य प्रभारी महेश कटारा की अध्यक्षता में एवं पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष जयप्रकाश कटारा के विशिष्ट अतिथि में संपन्न हुई वक्ताओं ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस एसटी एससी छात्र संगठन काफी लंबे समय से पीजी महाविद्यालय में जीत दर्ज कर लगातार चल रहा हैं एवं सज्जनगढ़ महाविद्यालय कुशलगढ़ विधानसभा में ही आता है सज्जनगढ़ महाविद्यालय में पहली जीत दर्ज कर संगठन को मजबूत करें समाज को मजबूत करने का आह्वान किया गया इस मौके पर मुख्य प्रभारी महेश कटारा युवा नेता रोहित खड़िया सज्जनगढ़ तहसील प्रभारी सुनील दामा सज्जनगढ़ तहसील के एससी अध्यक्ष पीयूष जाटव पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष जयप्रकाश कटारा जिला महासचिव दिलीप भूरिया पूर्व तहसील अध्यक्ष कमल कटारा, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष रमेश गरसिया, , युवा नेता सुशील खड़िया, , पप्पू लाल डामोर, करण खड़िया, संजय डोडियार सज्जनगढ़ से आशीष गरासिया कालू सिंह गरासिया प्रवीण बनवाई सुनीता डोडियार आदि वक्ताओं ने संबोधित किया एवम राजकीय महाविद्यालय सज्जनगढ़ कॉलेज की इकाई कार्य करने का घोषणा करते हुए कई छात्र छात्राओं को संगठन में सदस्य नियुक्त किए जिसमें प्रवीण वलवाई विजय गरासिया विनोद गरासिया मनीषा गरासिया काली गरासिया सुरता वलवाई अर्पिता वलवाई मनीषा मईडा मनीषा गरासिया सोनू गरासिया नरेश राणा नरेश भाबोर आदि को संगठन की अहम जिम्मेदारी कॉलेज के लिए दी गई एवं 18 अगस्त 2022 को बांसवाड़ा रंगमंच पर हो रहे जिला स्तरीय संगठन के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का आह्वान किया नवनियुक्त सभी छात्र नेताओं को संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा फूल माला पहना कर नारेबाजी के साथ रैली निकालकर जोरदार स्वागत किया गया इस मौके पर युवा नेता मंगलेश सुरावत ललित सुरावत राहुल डिंडोर विजय कलपू अनिता कटारा सुनीता डोडियार कुशलगढ़ तहसील के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज कटारा छात्र छात्राएं उपस्थित रहे जिसमें छात्र संगठन का संचालन दिलीप भूरिया ने किया व आभार किसान संघ के जिलाध्यक्ष रमेश गरासिया ने किया इस मौके पर कॉलेज के कई छात्र-छात्राएं एवं छात्र नेता मौजूद थे।

एसडीएम रामकिशोर मीणा का स्थानांतरण होने पर पंचायत समिति कार्मिकों ने दी विदाई।

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। एसडीएम रामकिशोर मीणा के कोटकासिम स्थानांतरण होने पर तथा बुधवार को एसडीएम रामकिशोर मीणा का साफा बंधन कर स्वागत सम्मान किया। एसडीएम रामकिशोर मीणा के मिलनसार व्यवहार आमजन में लोकप्रियता के चलते उनका पंचायत समिति परिसर में विकास अधिकारी सुनील कुमार मीणा एवं उप प्रधान विश्वेंद्र चौधरी के सानिध्य में संपूर्ण स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर साफा बंधन एवम उपहार भेंट कर विदाई दी गई। इस मौके पर तहसीलदार गिरधर मीणा, योगेश टांक, योगेश सैनी, राजेश जाटव, कैलाश जाटव, भगवान सहाय मीणा, महेश शर्मा, मनोज भारद्वाज, रिमांशु शर्मा, वीरेंद्र नरूका,हितेश गोयल, देवकरण,हरीश,राजू सहित संपूर्ण स्टाफ मौजूद रहा।

सर्पदंश से एक व्यक्ति की मौत

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के गांव हाजीपुर के निकटवर्ती कानावाली में खेत में काम कर रहे एक 45 वर्षीय युवक को सर्प के काटने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सरपंच प्रतिनिधि विक्रम गुर्जर ने बताया कि फूल सिंह कीर पुत्र प्रभाती लाल उम्र 45 वर्ष निवासी कानावाली हाजीपुर मेरे खेत पर प्याज लगा रहा था इसी दौरान फूल सिंह को सांप ने काट लिया। सांप के काटने के बाद फूल सिंह ने आसपास खेतों में काम कर रहे लोगों को आवाज लगाई। लेकिन जब तक आसपास में काम कर रहे लोग मौके पर पहुंचे तब तक फूलचंद बेहोश हो गया था। और थोड़ी देर बाद ही उसकी मौत हो गई । वहीं सूचना पर पहुंची रोटी बैंक की एंबुलेंस की सहायता से मृतक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बानसूर मोर्चरी पहुंचाया गया। जहां पुलिस को इसकी सूचना दी गई ।

राउमावि अर्रूवा में स्टाफ व छात्रों ने किया वृक्षारोपण

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अर्रूवा में मंगलवार को वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य अमित कुमार यादव ने बताया कि हरित राजस्थान स्वस्थ राजस्थान की संकल्पना के तहत विद्यालय के परिसर में औषधियों के साथ पौधे फल फूल एवं छायादार वृक्षों का पौधा रोपण किया। विद्यालय में वृक्षों की व्यवस्था फूलवती हाईटेक नर्सरी एवं वर्मी कंपोस्ट यूनिट खेड़ली द्वारा की गई एवं वृक्षों में खाद एवं कीटनाशक की व्यवस्था स्थानीय विद्यालय के अंग्रेजी के अध्यापक लक्ष्मीकांत अवस्थी द्वारा की गई। वृक्षारोपण आजादी के अमृत महोत्सव 15 अगस्त के बाद सभी 12 वी के छात्रों एवं स्कूल के स्टाफ द्वारा किया गया। इस मौके पर जितेंद्र जैन, दीनदयाल शर्मा, गोविंद प्रसाद तिवारी,अमरनाथ गर्ग,होरीलाल,भगवान सिंह, ममता मीणा,सोना देवी व छात्र दल विष्णु भारतीय ,अमित ,मनोज, राधा ,रानी, करीना, पिंकी, विष्णु, सचिन ,सुरेंद्र ,पवन , आदि सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और वृक्षारोपण को बढ़ावा दिया जिससे कि हमारी प्रकृति का संतुलन बना रहे।

भामाशाह ने राजकीय विद्यालय कराणा को 5 लाख रूपये दान किए

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर उपखंड के निकटवर्ती गांव कराणा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव पर गावं में पले- बढें सेठ ग्यारसी लाल रावत हाल निवासी ओडिसा ने विद्यालय की छतों की मरम्मत व विकास हेतु विद्यालय फंड में 5 लाख रूपये देने कि घोषणा की है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमप्रकाश भार्गव ने जानकारी देते हुए बताया कि रावत ने पूर्व में भी विद्यालय को 1 लाख रूपये ज्ञान संकल्प पोर्टल पर डोनेट किये थे। इतना ही नहीं भामाशाह रावत के द्वारा गांव के बच्चे कंप्यूटर ज्ञान से वंचित ना रहे इस हेतु रावत द्वारा 80 हजार रूपये के 2 कंप्यूटर विद्यालय को दिए थे। ग्यारसी लाल रावत शिक्षा के प्रति जागरूक तो है ही साथ ही दानशील प्रवृति के है। भार्गव ने बताया कि सेठ जी विद्यालय के अनुशासन, परीक्षा परिणाम व विद्यालय की गतिविधियों के बारे में समय पर दूरभाष के माध्यम से जानकारी लेते रहते है। विद्यालय प्रधानाचार्य ओमप्रकाश भार्गव ने भामाशाह ग्यारसी लाल रावत का विद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया और बताया कि मुझे इस विद्यालय में 19 माह हुए है इस दौरान विद्यालय टीम के सहयोग से विद्यालय में पढ़े व गावं के 84 भामाशाहों के सहयोग से करीब 20 लाख रूपये इक्ट्ठा कर विद्यालय के विकास में लगाये गये है। जिससे विद्यालय के सौंदर्यकरण में आमूल चूल परिवर्तन देखने के साथ-साथ परीक्षा परिणामों में भी परिवर्तन देखने को मिला है।

कुशलगढ़ की बेटी भूमि खमेसरा ने इंदौर में अपना नाम रोशन किया

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ़। कुशलगढ़ की बेटी ने इंदौर आर्ट स्टूडियो में पेंटिंग बनाकर लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार कुशलगढ़ निवासी राकेश खमेसरा व प्रीति खमेसरा की पुत्री भूमि खमेसरा ने इंदौर आर्ट स्टूडियो की टीम के साथ अपनी सहभागिता दिखाई। टीम द्वारा बोतलों के ढक्कनो का उपयोग कर दुनिया की सबसे बड़ी पेंटिंग बनाकर एक विश्व रिकार्ड कायम किया। वेस्ट ढक्कनो का उपयोग करके 6 लाख ढक्कनो का उपयोग करके 6 हजार वर्ग फिट में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र बनाकर और पेंटिंग करके चित्र को तैयार किया और एक रिकॉर्ड कायम किया। 150 कलाकारों की टीम द्वारा अपनी सहभागिता निभाई और अमृत महोत्सव के उपलक्ष में इसको तैयार किया गया। भूमि खमेसरा कुशलगढ़ से इंदौर में पढ़ाई कर रही है जिसके साथ साथ उसने आर्ट और चित्र बनाने में रुचि दिखाई भूमि खमेसरा के परिजन संजय क खमेसरा सोनू खमेसरा के अलावा पूर्व संसदीय सचिव भीमा भाई डामोर कुशलगढ़ प्रधान कहानी ग रावत नगर पालिका अध्यक्ष बबलू मईडा नपा उपाध्यक्ष नितेश बैरागी श्वेतांबर जैन मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष कमलेश कांवरिया, आई एफ डब्लयू जे पत्रकार संघ के जिला कार्यकारिणी के सचिव अरुण जोशी, पार्षद दिनेश परिहार कुशलगढ़ विधानसभा पत्रकार संघ अध्यक्ष सुनील शर्मा सहित जैन समाज के लोगों ने शुभकामनाएं दी

अंबेडकर शिक्षक संघ ने तहसीलदार को जालौर में दलित छात्र की हुई हत्या के विरोध में सौंपा ज्ञापन

मरूधर विशेष

कठूमर । दिनेश लेखी । उपखंड मुख्यालय पर बुधवार को अंबेडकर शिक्षक संघ ब्लॉक कठूमर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को जालौर जिले में दलित छात्र की हेड मास्टर द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर देने के विरोध में ज्ञापन दिया। ब्लॉक अध्यक्ष उदय सिंह मसारी ने बताया कि दलित छात्र की हेड मास्टर के मटके से पानी पीने को लेकर छात्र की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई के विरोध में संघ के द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें संगठन ने ज्ञापन में मांग की है कि इन्द्रकुमार के परिजन को पचास लाख रुपये की मुआवजा राशि उनके खाते में तुरंत प्रभाव से स्थानांतरित की जाए। तथा इंद्र कुमार के हत्यारे की फास्ट ट्रैक न्यायालय में मामले की सुनवाई की जाए। परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जावे। जिस स्कूल में छात्र पढ़ता था उस स्कूल की मान्यता रद्द की जाए। हत्यारों को फांसी की सजा हो ऐसा कानून बने जिससे देश में जातिवाद व भेदभाव समाप्त हो।साथ कमलसिहं के नेतृत्व में भीम सेना के कार्यकर्ता भी ज्ञापन में सम्मिलित हुये। इस मौके पर भरतपुर संभाग अध्यक्ष महेंद्र सिंह मसारी, ब्लॉक संरक्षक किशनलाल जांगरू,सभा अध्यक्ष सुगड सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष उदयसिंह मसारी, जिला अध्यक्ष अमरसिंह, रोशन लाल जाटव ,हरपाल सिंह, रामअवतार, जितेंद्र, अरविंद ,रामदयाल बाबू, देशराज बैरवा,मानसिंह, सूपरिया राठी, गीता मीणा प्रधानाचार्य, सुनीता वर्मा ,बीना मीना ,तारा देवी एवं संघ के प्रवक्ता जगमोहन जाटव उपस्थित रहे।

कोविड-19 से लोगों को जागरूक करने के लिए डिजिटल मोबाइल वैन को रवाना किया

मरुधर हिन्द/रमाकान्त शर्मा

बानसूर -यूनिसेफ द्वारा संचालित कोविड-19 वैक्सीनेशन के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए युवा जागृति संस्थान बानसूर द्वारा राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से बीसीएमएचओ डॉ मनोज कुमार यादव व योगेश सिंगल द्वारा डिजिटल मोबाइल वेन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना । इस चार दिवसीय अभियान के अंतर्गत डिजिटल मोबाइल वेन द्वारा बानसूर ब्लॉक के 41 गांवों में जाकर वहां के विद्यालय ,सीएससी सेंटर व ग्रामीण लोगों को कोविड-19 से संबंधित वीडियो और पम्पलेट दिखाकर कोविड-19 के लिए उपयुक्त व्यवहार व टीकाकरण की जानकारी दी जाएगी ।तथा अपने आप को और अपने प्रिय जनों व सहकर्मियों को बचाए रखने के लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखने के बारे में भी जागरूक किया जाएगा। इस मौके पर युवा जागृति सीएससी सेंटर सचिव गोकुल चंद सैनी, बी एम सी एच ओ डॉ मनोज कुमार यादव व डॉ योगेश सिंगल, सीएससी वी एल ई भीम सिंह सैनी, खामोश सैनी, कुलदीप यादव , प्रेम कुमार सैनी व ग्रामीण उपस्थित रहे।

ब्लॉक एवं ग्राम संसाधन व्यक्तियों ने सरपंच संघ के अध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन।

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। उपखंड मुख्यालय पर बुधवार को ब्लॉक एवं ग्राम संसाधन व्यक्ति के द्वारा कठूमर सरपंच संघ के अध्यक्ष जोरमल जाटव को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि ब्लॉक एवं ग्राम संसाधन व्यक्ति विगत करीब आठ 10 वर्षों से महात्मा गांधी नरेगा एवं प्रधानमंत्री आवास योजना का सामाजिक अंकेक्षण का कार्य प्रशिक्षण प्राप्त कर जिले की समस्त ग्राम पंचायतों पर करते आ रहे हैं। वही पंचायती राज विभाग द्वारा आदेश जारी कर ग्राम पंचायतों में होने वाले मनरेगा व अन्य कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण कार्य एनजीओ द्वारा करवाने के आदेश जारी किए गए हैं । जबकि ब्लॉक एवं ग्राम संसाधन व्यक्ति गत समय से अल्प मानदेय पर सामाजिक अंकेक्षण का कार्य कर रहे हैं। जिससे इस बेरोजगारी के दौर में एक सहारा था राजस्थान सरकार द्वारा उक्त सामाजिक अंकेक्षण कार्य एनजीओ से करवाने पर राजस्थान के करीब 25000 ब्लॉक व ग्राम संसाधन व्यक्ति बेरोजगार हो रहे हैं। इस मौके पर ब्लॉक संसाधन व्यक्ति जगदीश शर्मा मसारी, हरीश जांगिड़, ग्राम संसाधन व्यक्ति रुचि रानी, सुरेश कुमार ,सुमन ,उषा जांगिड़ ,अभिषेक, नवीन, सोनिया ,दीपक शर्मा ,नितेश कुमार आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

घर-घर तिरंगा

निस्संदेह पंद्रह अगस्त हर साल उत्साह व गरिमा से देश-विदेश में मनाया जाता है, लेकिन इस बार का यह पर्व आजादी के 75 साल पूरे होने के चलते तिरंगामय है। जहां तक नजर जाती है तिरंगे ही तिरंगे नजर आते हैं। दरअसल, आजादी की पौन सदी के सफर को अमृत महोत्सव के रूप में मनाने का फैसला लिया गया है जिसके चलते तिरंगे से जुड़े कई प्रावधानों का सरलीकरण किया गया है। ताकि तिरंगा हर भारतीय के अहसासों में हो और हर समय सहज पहुंच में हो। अब ऐसा लगता है कि अमृत महोत्सव स्वत-स्फूर्त है और हमारे राष्ट्रीय सरोकारों की सघन अभिव्यक्ति भी है। लेकिन साथ ही हर भारतीय को तिरंगे के गहरे अहसासों का बोध होना भी जरूरी है। यह वह प्रतीक है जिसके लिये अनेक लोगों ने बलिदान दिये। इसे फहराने पर गोलियां खाईं। जेलों में सजा व यातनाएं सहनी पड़ीं। तिरंगे के अस्तित्व में आने का लंबा इतिहास है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की तमाम बड़ी घटनाएं इसके स्वरूप से जुड़ी हुई हैं। जो हमें उस कालखंड की भी याद दिलाता है जब इसे फहराना गंभीर अपराध माना जाता था। फहराने पर यातनाओं को सहना पड़ता था। निस्संदेह, तिरंगे ने राष्ट्रीय आंदोलन में राष्ट्रीयता के गहरे रंग भरे। बलिदानियों के त्याग व तपस्या से इसके रंग चटख हुए। इस तिरंगे ने जाति, धर्म, वर्ग, क्षेत्र और भौगोलिक सीमाओं को तोड़कर देश को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। पूरे देश में एक स्वत-स्फूर्त स्वतंत्रता आंदोलन जगाने में तिरंगे की निर्णायक भूमिका रही। लोग इस तिरंगे की शान पर मर मिटे। ऐसे में हम जब भी, जहां भी तिरंगा फहरायें, बलिदानियों के आत्मीय अहसासों का हमें बोध होना चाहिए। उसका फहराना गरिमामय होना चाहिए और तिरंगे का रखरखाव भी। निस्संदेह आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान हर घर तिरंगा मुहिम से नई पीढ़ी को इस बात का अहसास होगा कि आज हम जिस खुली हवा में सांस ले रहे हैं, उसमें तिरंगे की क्या भूमिका रही। इस बात का अहसास भी कि तिरंगे ने जोश पैदा करके फिरंगी सरकार की चूलें हिला दीं और देश की आजादी का मार्ग प्रशस्त किया।

निस्संदेह, अतीत गवाह है कि जब-जब हमारी राष्ट्रीय एकता कमजोर हुई विदेशी शक्तियां हमारी संप्रभुता को चुनौती देने लगीं। ऐसे में इस पर्व को राजनीतिक-वैचारिक मतभेदों को भुलाकर उल्लासपूर्वक मनाना ही शुभकर है। भले ही हम किसी भी राजनीतिक सोच से जुड़े हों लेकिन राष्ट्रीय हितों के मुद्दे पर हमारा सुर एक ही होना चाहिए। निस्संदेह, यह तिरंगा अभियान हमें एकता के सूत्र में पिरोता है। हमें बताता है कि हम कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक एक ही हैं। जम्मू-कश्मीर के स्वरूप में आये बदलाव के बाद वहां तिरंगा यात्राएं इस बात का हमें गहरे तक अहसास कराती हैं कि राष्ट्रीयता के क्या मायने हैं। केसर की घाटी में तिरंगे की मोहक व स्वतंत्र उपस्थिति देशभक्ति के सरोकारों से भर देती है। किसी भी देश की भौगोलिक सीमाएं व संसाधन ही देशभक्ति का पर्याय नहीं होते। जब तक देशभक्ति का जज्बा उसके नागरिकों की रगों में नहीं दौड़ता कोई राष्ट्र पूर्णता हासिल नहीं कर सकता। इस पूर्णता में हमारे राष्ट्रीय प्रतीक निर्णायक भूमिका निभाते हैं। तिरंगा भी इन्हीं राष्ट्रीय अहसासों की सरस अभिव्यक्ति ही है। आजादी के पर्व को महज छुट्टी के रूप में देखने वाले लोगों को इस बात का गहरा अहसास होना चाहिए कि आजादी को हासिल करने के लिये वर्ष 1857 से 1947 के बीच हुए स्वतंत्रता संग्राम में देशवासियों ने कितनी बड़ी कीमत चुकायी। परतंत्र भारत में जीने वाले भारतीयों को इस बात का गहरा अहसास था कि आजादी की कीमत क्या होती है। बीते साढ़े सात दशक की हमारी उपलब्धि बताती है कि इन सालों में हमने आज जो हासिल किया उसे हम गुलामी के सैकड़ों सालों में भी हासिल नहीं कर पाये। इस आजादी को अक्षुण्ण बनाये रखना हमारा पुनीत कर्तव्य है। इसी आजादी का प्रतीक है तिरंगा। आसमान में शान से लहराता तिरंगा हमें बताता है कि हम एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रतिनिधि देश के नागरिक हैं। इस तिरंगे की शान हमें बनायी रखनी है।

भारत को झटका

चीनी जासूसी पोत के श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पर पहले नहीं उतरने देने और फिर यू टर्न लेते हुए लंगर ड़ालने की अनुमति देना वाकई भारत के लिए बड़ा झटका है। ज्ञातव्य है कि श्रीलंका सरकार ने चीन के जासूसी पोत युआन वांग-5 को हंबनटोटा बंदरगाह पर लंगर ड़ालने की अनुमति दे दी है। दरअसल, सुरक्षा कारणों के चलते भारत ने श्रीलंका को चीन के इस जासूसी जहाज को उसके यहां रुळकने से मना किया था। चीन का यह पोत बैलिस्टिक मिसाइलों और सेटेलाइट को ट्रैक करने की खासियत लिए है। इस वजह से भारत इसे अपने लिए बड़ा खतरा मानता है। श्रीलंका ने पहले भारत की मांग पर सहमति जताई थी। मगर बाद में उसने इस चीनी पोत को अपने बंदरगाह पर रुकने की अनुमति दे दी। भारत की असल चिंता चीन की हरकतों को लेकर है। वह पड़ोसी मुल्कों के साथ किस तरह का व्यवहार करता हैग यह जगजाहिर है। ताइवान को लेकर चीन की आक्रामता से आज पूरी दुनिया हैरान है। भारत के साथ उसके रिश्ते कितने तनावपूर्ण हैं, इसे बताने की जरूरत नहीं है। इसी तरह जापान, अमेरिका और प्रशांत महासागरीय द्वीप समूह के अन्य छोटे देशों को लेकर चीन का रवैया कितना आक्रामक हैग यह पूरी दुनिया देख रही है। कहने का आशय यही है कि चीन भरोसे का मुल्क नहीं है। उस पर भरोसा करने का मतलब है, अपनी सार्वभौमिकता खोना। भारत के साथ उसके बनते-बिगड़ते रिश्तों की परते हैं। इस नाते उसे कायदे से समझ पाना काफी दुष्कर है। भारत के लिए चिंता और तकलीफ की बात यही है कि चीन की फितरत को जानते-समझते हुए भी उसने भारत के बजाय चीन को तवज्जो दी। श्रीलंका ने मुश्किल वक्त में भारत की मदद करने की संजीदा पहल को भी परे रख दिया। वह भी सिर्फ इसलिए कि चीन ने श्रीलंका के इस बंदरगाह को बनाने में भारी कर्ज दिया है। मगर श्रीलंका ने सैकड़ों वर्ष पुराने भारत-श्रीलंका के रिश्तों को महज कुछ अरब रुपये की चीनी मदद के आगे कुछ नहीं समझा। उसे यह भी ज्ञात नहीं कि अगर चीन भारत को कमजोर करने की साजिश में शामिल हैग तो इसका असर निश्चित तौर पर श्रीलंका पर भी पड़ेगा। खैर, अब इस पूरे प्रकरण में भारत को बेहद चौकन्ना रहना होगा। थोड़ी सी भी लापरवाही हमें भारी पड़ सकती है। श्रीलंका के बारे में भी भारत को अब नये सिरे से सोचना होगा।

चिंतन-मनन

मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यत- चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक 'फायड' का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य 'मौन' करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अत- आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अत- संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

हम मनुष्यों की आत्मा व शरीर की आयु कितनी है?

मनमोहन कुमार आर्य

हम विगत अनेक वर्षों से इस संसार में रह रहे हैं। सभी मनुष्यों की अपनी-अपनी जन्म तिथी है। यह जन्म तिथि किसकी है? क्या यह हमारी आत्मा की जन्म तिथि है या हमारे शरीर की है? वस्तुतः यह हमारे शरीर की जन्म तिथि है। आत्मा की जन्म तिथि तो कोई भी नहीं जानता? यह सिद्धान्त है कि जिसका जन्म होता है उसकी मृत्यु होना निश्चित है। हम देखते हैं कि हमसे पूर्व जो मनुष्य उत्पन्न हुए थे, हमनें उन्हें अपने जीवन काल में मरते हुए देखा है। जो बचे हुए हैं उनकी भी एक दिन मृत्यु होना निश्चित है। जन्म व मृत्यु के ही रहस्य को सभी जानते व मानते हैं। जो हमसे आयु में छोटे हैं वह भी आने वाले समय में आगे-पीछे मरेंगे। यह शाश्वत् सिद्धान्त है। 'जातस्य हि ध्रुवो मृत्यु ध्रुवं जन्म मृतस्य च' यह गीता का वचन है जिसमें कहा गया है कि जिसका जन्म हुआ है उसकी मृत्यु होनी निश्चित है और जिसकी मृत्यु होती है उसका जन्म होना निश्चित होता है। हमारा जन्म होना आत्मा की उत्पत्ति नहीं है अपितु यह परमात्मा के नियमों के अनुसार हमारे शरीर की उत्पत्ति को कहा जाता है। आत्मा तो अनादि, अनुत्पन्न, नित्य, अमर तथा अविनाशी है। आत्मा चेतन तत्व है। चेतन का अर्थ है कि आत्मा को शरीर से संयुक्त होने पर ज्ञानेन्द्रियों के द्वारा सुख व दुःख की अनुभूति होती है।

शरीर के भीतर सुख व दुःख की अनुभूति जिस पदार्थ व सत्ता को होती है उसी को आत्मा कहा जाता है। शरीर तो जड़ पदार्थों से बना हुआ है जिसका धर्म ज्ञानयुक्त पदार्थ न होकर जड़ता आदि गुणों से युक्त पदार्थ है। जड़ पदार्थ भौतिक पदार्थों को कहते हैं। इन भौतिक पदार्थों को सुख व दुःख की किसी भी प्रकार से अनुभूति नहीं होती। यही कारण है कि मृत्यु होने पर मृतक शरीर को लकड़ियों पर रखकर वैदिक रीति से जलाया जाता है परन्तु जड़ शरीर में अग्नि से जलने पर भी सुख व दुःख की अनुभूति नहीं होती जबकि जीवित शरीर का कोई एक स्थान भी अग्नि के सम्पर्क में आ जाये तो वह पीड़ा से चिल्ला उठता है। मृतक शरीर को काटा जाये तब भी उसे कुछ भी पीड़ा नहीं होती। इसका कारण यह होता है कि शरीर से आत्मा सूक्ष्म शरीर सहित निकल कर ईश्वर की व्यवस्था से अपने कर्मों के अनुसार पुनर्जन्म लेने के लिए भावी पिता व उसके बाद माता के शरीर में प्रवेश करती है। यह वैदिक सिद्धान्त है जो कि सत्य व प्रामाणिक है।

प्रश्न है कि मनुष्य का शरीर तो जन्म के बाद आगे के 100 वर्षों व उससे कुछ कम व अधिक आयु में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। क्या यही आत्मा की भी आयु है? इसका उत्तर है कि नहीं, शरीर की मृत्यु वा उसकी आयु आत्मा की आयु नहीं है। आत्मा की तो कभी उत्पत्ति ही नहीं हुई और न कभी इसकी मृत्यु, नाश वा अभाव होता है। इस कारण से आत्मा को अनादि कहा जाता है। अनादि का अर्थ है कि जिसका आदि वा आरम्भ न हो।

मनुष्य जन्म का उद्देंश्य क्या है? इसका उत्तर है कि शरीर की उन्नति सहित हमें आत्मा की उन्नति और अपनी सामाजिक उन्नति करनी है। शरीर की उन्नति से हमारी आयु बढ़ने सहित ज्ञान प्राप्ति की क्षमतायें बढ़ती है और ऐसा होने पर हमारी आत्मिक उन्नति से हमारे ईश्वर, आत्मा तथा भौतिक पदार्थों के ज्ञान की वृद्धि भी होती है। ईश्वर ज्ञानमय है। आत्मा भी ईश्वर की संगति व उपासना अथवा स्वाध्याय आदि से ज्ञान की प्राप्ति करती है। ज्ञान प्राप्त कर ज्ञानानुरूप कर्म करने से मनुष्य की आत्मा की उन्नति होती है और वह मृत्यु के बाद श्रेष्ठ मनुष्य व देव योनि में उत्पन्न होती है। जिनका ज्ञान व कर्म श्रेष्ठ होते हैं उन्हें जन्म-मरण से अवकाश अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही आत्मा व मनुष्य जीवन का अन्तिम लक्ष्य है।

यह जानने योग्य तथ्य है कि संसार में तीन पदार्थ अनादि हैं। यह पदार्थ हैं ईश्वर, जीव व प्रकृति। ईश्वर व जीव चेतन पदार्थ हैं जबकि प्रकृति जड़ है। यह तीनों अनादि पदार्थ सूक्ष्म हैं। ईश्वर सर्वातिसूक्ष्म है जबकि आत्मा मूल व कारण प्रकृति से अधिक सूक्ष्म तथा प्रकृति आत्मा से किंचित स्थूल होने पर सूक्ष्म ही होती है। यदि आत्मा व अन्य दो नित्य पदार्थों को अनादि नहीं मानेंगे तो फिर इनकी उत्पत्ति माननी होगी। उत्पत्ति को मानेंगे तो फिर यह बताना होगा कि इन्हें बनाने वाला निमित्त कारण कौन है और उपादान कारण क्या है? यदि यह कहते हैं कि निमित्त कारण ईश्वर है तो फिर जीव व प्रकृति का उपादान कारण बताना होगा जो कि कोई नहीं जानता क्योंकि जीवात्मा और मूल प्रकृति का उपादान कारण है ही नहीं। ईश्वर का अस्तित्व स्वयंभू है और वह हमेशा से है। किसी सत्तावान पदार्थ का उपादान कारण उसे कहते हैं जिससे कि वह व उससे इतर कोई पदार्थ बनता है। मिट्टी से घड़ा बनता है अतः मिट्टी घड़े का उपादान कारण कहलाती है। कुम्हार मिट्टी से घड़ा बनाता है, उसे निमित्त कारण कहते हैं। प्रकृति अत्यन्त सूक्ष्म है। उससे सूक्ष्म जड़ पदार्थ अन्य कोई नहीं है। अतः यह सूक्ष्मतम भौतिक जड़ पदार्थ किस पदार्थ से बना, इसका उत्तर यही है कि प्रकृति बनी नहीं है और न ही बनायी गयी है अपितु यह सदा से, अनादि काल से अपने कारणरूप में रहती है और यही सभी जड़ व भौतिक पदार्थों का उपादान कारण है जिससे परमात्मा सृष्टि की रचना करते हैं। जीव व परमात्मा भी अत्यन्त सूक्ष्म पदार्थ व सत्तायें हैं, इनका उपादान कारण न होने से यह संसार वा आकाश में सदा से रहते हैं। इनकी कभी किसी अन्य पदार्थ से उत्पत्ति नहीं हुई है। अतः ईश्वर, जीव व प्रकृति अनादि सत्तायें हैं। यह तीनों पदार्थ निमित्त व उपादान कारण से रहित सिद्ध होते हैं। हमने शरीर की आयु के विषय में बता दिया है कि यह मनुष्य के जन्म से आरम्भ होकर आगामी 100 वर्ष से कम व कुछ अधिक हो सकती है तथा सभी मनुष्यों की अलग अलग होती है। जीवात्मा आयु से रहित है। यह सदा से अर्थात् अनादि काल से है और हमेशा अर्थात् अनन्त काल तक रहेगा। इसका कभी अन्त अर्थात् मृत्यु वा नाश नहीं होगा। जीवात्मा के अनादि होने का अर्थ है कि हमारी आत्मा की कभी उत्पत्ति नहीं हुई। इससे यह जाना जा सकता है कि हम सदा से हैं और इस प्रकार पूर्व व भूतकाल में हमारे भिन्न भिन्न योनि में असंख्य व अनन्त बार जन्म हो चुके हैं। हम संसार में जितनी भी योनियां देखते हैं उनमें हम अनेक अनेक बार जन्म ले चुके हैं और उतनी ही बार मर भी चुके हैं। वेद विहित सत्कर्मों को करने के परिणाम से हमारे अनेक बार मोक्ष भी हो चुके हैं। यह सिलसिला हमेशा जारी रहेगा। इस कारण मृत्यु आने पर यदि यह वृद्धावस्था में होती है तो हमें दुःखी नहीं होना चाहिये अपितु यह जानना चाहिये कि मृत्यु के बाद हमारा हमारे कर्मों के अनुसार श्रेष्ठ व निकृष्ट जन्म होगा। हम जन्म से पूर्व पहले पिता के शरीर में व फिर माता के गर्भ में रहेंगे। फिर हमारा जन्म होगा और हम पुनः शिशु बनेंगे। इसके बाद किशोरावस्था, युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और पुनः वृद्धावस्था से गुजर कर मृत्यु को प्राप्त होंगे। इस प्रकार हमारी आत्मा की वर्तमान आयु अनादि काल अर्थात् न जान सकने योग्य सुदीर्घ काल है जिसे अनन्त वर्ष भी कह सकते हैं। भविष्य में भी हमारी आत्मा हमेशा रहेगी और मनुष्यों में किए कर्मों के अनुसार इसे भिन्न-भिन्न योनियों में जन्म-मरण सहित मोक्ष की प्राप्ति होती रहेगी।

मनुष्य जन्म का उद्देंश्य क्या है? इसका उत्तर है कि शरीर की उन्नति सहित हमें आत्मा की उन्नति और अपनी सामाजिक उन्नति करनी है। शरीर की उन्नति से हमारी आयु बढ़ने सहित ज्ञान प्राप्ति की क्षमतायें बढ़ती है और ऐसा होने पर हमारी आत्मिक उन्नति से हमारे ईश्वर, आत्मा तथा भौतिक पदार्थों के ज्ञान की वृद्धि भी होती है। ईश्वर ज्ञानमय है। आत्मा भी ईश्वर की संगति व उपासना अथवा स्वाध्याय आदि से ज्ञान की प्राप्ति करती है। ज्ञान प्राप्त कर ज्ञानानुरूप कर्म करने से मनुष्य की आत्मा की उन्नति होती है और वह मृत्यु के बाद श्रेष्ठ मनुष्य व देव योनि में उत्पन्न होती है। जिनका ज्ञान व कर्म श्रेष्ठ होते हैं उन्हें जन्म-मरण से अवकाश अर्थात् मोक्ष की प्राप्ति होती है। यही आत्मा व मनुष्य जीवन का अन्तिम लक्ष्य है। मोक्ष आनन्द की अवस्था है। मोक्ष प्राप्त होने पर सभी दुःखों का नाश हो जाता है। आत्मा दीर्घ अवधि तक मोक्ष सुख को भोग कर पुनः माता-पिता से मनुष्य जन्म को प्राप्त करती है। अतः सभी मनुष्यों को सत्यार्थप्रकाश आदि ऋषि ग्रन्थों सहित उपनिषदों, दर्शनों व वेद आदि साहित्य का अध्ययन करना चाहिये और ईश्वरोपासना आदि श्रेष्ठ कार्यों को करके अपनी आत्मा की उन्नति वा विद्या की वृद्धि सहित मोक्ष प्राप्ति करनी चाहिये। ओउम् श्म्।

विचार मंथन

पीएम मोदी का दांव!

सिद्धार्थ शंकर

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर दिए अपने भाषण में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद का जिक्र कर 2024 के चुनावी समीकरणों निशाना साधा है। यही नहीं पीएम मोदी ने अपने भाषण में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद का जिक्र करके भविष्य में होने वाले विपक्षी दलों के किसी भी बड़े राजनीतिक गठबंधन पर अभी से ही विपक्ष को घेरने की रणनीति बनानी शुरू कर दी है। जिस तरीके से बिहार में राजनीतिक घटनाक्रम हुआ है, उसके बाद यह अनुमान लगाया जा रहा है कि राजनीतिक गठबंधन की राह में भाई-भतीजावाद और परिवारवाद भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक हथियार साबित होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए भाषण में परिवारवाद और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को शामिल कर विपक्ष पर बड़ा हमला किया है। जिस तरीके से बिहार में जेडीयू और आरजेडी का गठबंधन हुआ है उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में यह गठबंधन बड़े राजनीतिक दलों के साथ एक बड़ा आयाम ले सकता है। 2024 में होने वाले लोकसभा के चुनावों में विपक्षी दलों का गठबंधन होता है या नहीं होता है यह तो भविष्य तय करेगा, लेकिन भाजपा को इस बात का अंदाजा है कि गठबंधन की राह किस डगर से होकर आगे जानी है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री मोदी ने आने वाले लोकसभा चुनावों से पहले ही सबसे बड़े मुद्दे के साथ विपक्ष को अभी से घेरना शुरू कर दिया है, जिस पर चुनावी नतीजे बनने और बिगडने वाले हैं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार ऐसे मुद्दे हैं जो बीते कुछ समय के विधानसभा और लोकसभा के चुनावों में बड़े मुद्दे के तौर पर अलग-अलग राज्यों में और क्षेत्रों में जमकर

उठाए गए हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस पर दिए जाने वाले भाषण में इसका उल्लेख निश्चित तौर पर चुनावी समीकरणों को साधना ही है। जिस तरीके से बिहार में आरजेडी और जेडीयू का गठबंधन हुआ उससे आने वाले दिनों में होने वाले कई राजनीतिक दलों के गठबंधन की राह खुलती हुई दिख रही है। आरजेडी पर लगातार परिवारवाद का आरोप लगता रहा है। बिहार के चुनाव में भाजपा, आरजेडी पर परिवारवाद का आरोप लगाकर चुनावी समर में उतरी थी। जिस तरीके से आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव कांग्रेस के बड़े नेताओं से संपर्क कर रहे हैं और पिछले हफ्ते कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से मिले उससे अंदाजा यह भी लगाया जा रहा है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में विपक्षियों का बड़ा गठबंधन कांग्रेस समेत कई अन्य दलों से हो सकता है। चूंकि भाजपा लगातार कांग्रेस पर परिवारवाद का आरोप लगाती रहती है। ऐसे में प्रधानमंत्री का स्वतंत्रता दिवस पर परिवारवाद और भाई-भतीजावाद पर दिया गया भाषण विपक्षियों को घेरने के लिए मजबूत माना जा रहा है। परिवारवाद पर हमले में सिर्फ आरजेडी ही नहीं बल्कि बल्कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के अलावा महाराष्ट्र में शिवसेना समेत पंजाब में अकाली दल समेतअन्य परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले राजनीतिक घरानों को भी घेरा है।

सिर्फ परिवारवाद और भाई भतीजावाद के अलावा प्रधानमंत्री ने जिस तरीके से भ्रष्टाचार का जिक्र स्वतंत्रता दिवस के भाषण में किया है, वह भी विपक्षियों को 2024 के चुनावों में बड़ा असहज करने वाला है। कांग्रेस से लेकर तृणमूल कांग्रेस तक को भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा लगातार घेरती आई है। चुनावी रैलियों में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार के आरोप लगाने और स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले से इस तरीके के भ्रष्ट सिस्टम को जड़ से उखाड़ फेंकने वाले भाषण में जमीन आसमान का अंतर होता है। चुनावी रैलियां पूरी तरीके से चुनाव को केंद्रित करके की जाती हैं, जिसमें तमाम तरह के आरोप प्रत्यारोपों को लगाने का सिलसिला चलता है। लाल किले से जब देश के प्रधानमंत्री इस तरह के करप्ट सिस्टम को उखाड़ फेंकने की बात करते हैं, तो यह जनमानस में एक भावनात्मक तरीके से असर डालता है।

अमृत महोत्सव

किसान को मिले उसका प्राप्य

कृष्ण प्रताप सिंह

हिन्दी के अपने वक्त के महद्मवपूर्ण कवियों में से एक रामकुमार वर्मा ने कभी देश के किसानों को संबोधित अपनी 'हे ग्राम देवता! नमस्कार!' शीर्षक कविता में उन्हें तिल-तिलकर प्राणबीज बोने वाले ग्राम देवता बताते और अपनी झोपड़ी झुकाकर राज-द्वार ›चे करने का श्रेय देते हुए लिखा थाः 'तुम जन मन के अधिनायक हो तुम हंसो कि फूले-फले देश/आओ, सिंहासन पर बैठो यह राज्य तुम्हारा है अशेष!' लेकिन अफसोस कि आज जब देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा हैग अहतनश कड़ी मेहनत करने वाले जन मन के ये अधिनायक आजादी के वक्त के भूखे-नंगे देश को पहले अपनी विशाल आबादी का पेट भरने में आत्मनिर्भरग फिर खाद्यान्न-निर्यात में सक्षम बनाने के सहज श्रेय से भी वंचित हुए जा रहे हैं।

यह तब है जब वे कि वे चाहते हैं कि कोरोनाकाल में देश के अस्सी करोड़ गरीबों को भूख से बचाने के लिए सालोंसाल निःशुल्क राशन आवंटन के लिए उन्हें कोटि-कोटि धन्यवाद दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अरसा पहले कभी किसी प्रसंग में कहा जरूर था कि किसानों ने कड़ी मेहनत करके देश के खाद्य गोदाम न भरे होते तो सरकार के लिए अस्सी करोड़ गरीबों को मुफ्त राशन देना कतई संभव न होता थाग लेकिन उसके फौरन बाद उनकी सरकार ने अमृत महोत्सव वर्ष में ही अनाजों पर कर लगाने का अभूतपूर्व कदम उठाकर सिद्ध कर दिया कि वह किसानों की इस कामना के साथ कतई नहीं है कि देश के खेत इतनी सुनहरी फसलें उगलेंग कि कहीं कोई भी देशवासी भूखा न सोये और धन-धान्य से परिपूर्ण रहे। सच्ची देशभक्ति का तकाजा यही है कि स्वतंत्रता के बाद की पीढ़ियों को बताया जाए कि पचहत्तर साल पहले हम आजाद हुए तो अनाजों की कमी के कारण हमें आयात पर निर्भर करना पड़ता था। कृषि एवं खाद्य मामलों के जानकार देविन्दर शर्मा याद दिलाते हैं कि लालबहादुर शास्त्री ने अपने प्रधानमंत्रीकाल में वियतनाम पर हमले को अमेरिका की 'आक्रामकता' बता दिया तो तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति लिन्डन जॉनसन चिढ़ गए और उन्होंने पीएल-480 नीति के तहत भारत को दी जाने वाली खाद्यान्न सहायता नाममात्र ही रहने दी थी। इससे विवश होकर शास्त्री को देशवासियों से हफ्ते में एक दिन उपवास रखने को कहना पड़ा था। तब पैड्डोक बंधुओं ने आफत की मसीहाई-सी करते हुए अपनी कुख्यात पुस्तक 'अकाल 1975' में भविष्यवाणी कर डाली थी कि भारत की कहानी खत्म हो गई है और आने वाले वर्षा में उसके करोड़ों लोग भूख से मारे जाएंगे।

निस्संदेह, देश की स्वतंत्रता के बाद की पीढ़ियों को यह बताने का अमृत महोत्सव से बढ़िया कोई और अवसर नहीं हो सकता कि इन लेखकों की भविष्यवाणी को औंधे मुंह गिराने के लिए किसानों ने तत्कालीन कठिन परिस्थितियों में किस तरह दिन रात एक किया। खासकर उन्हें, जो गांवों के देश में महानगरों व गांवों के बीच गहरा गए अलगाव के कारण चावल और आटे के पैकेटों से तो परिचित हैं, धान और गेहूं के पौधों और दानों से नहीं। 1966 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने गेहूं की विभिन्न उन्नत किस्मों के 18000 टन बीज आयात करने की अनुमति देकर उस हरित क्रांति की नींव मजबूत की थी, जो बाद में देश के गेहूं उत्पादन में बड़ी छलांग का वायस बनी। बाद में इस सफलता को चावल, कपास, गन्ना, फलों एवं सब्जियों आदि के मामले में भी दोहराया गया। इस क्रांति के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान एवं विकास का तंत्र पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों पं. जवाहरलाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री के वक्त से ही तैयार किया जा रहा था।

बाद में इसके तहत दो मोर्चों पर एक साथ काम किया गयाः किसानों को प्रोत्साहनस्वरूप न्यूनतम समर्थन मूल्य देना और बड़ी मात्रा में खाद्यान्न का भंडारण सुनिश्चित कर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए कमी वाले इलाकों में वितरित कर लोगों को भूख से बचाना, लेकिन आज कहने की जरूरत नहीं कि साल-दर-साल रिकॉर्ड अनाज उत्पादन के बावजूद किसानों की आय ठहर गई है, या कम होती गई है। देश में बड़े पैमाने पर वर्ग असमानताएं पैदा हो गई हैं, सो अलग, लेकिन अच्छी बात यह है कि अभी भी हाथ से कुछ नहीं निकला है।

सरकार चाहे तो किसानों को अमृत महोत्सव में उनका प्राप्य मिलना सुनिश्चित कर सकती है। यकीनन, इसके लिए सरकार को कुछ हटकर करना होगा। सवाल है कि क्या वह ऐसा करेगी? अभी तो उसका रवैया किसानों को आश्वस्त करता नहीं दिखाईदे रहा। फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य की समस्याओं पर विचार के लिए समिति बनाकर उसने एक कदम बढ़ाया है, अब जरूरी है कि उन्हें अपनी अच्छी नीयत या सदाशयता का विश्वास भी दिलाए। वरना इस समिति की प्रासंगिकता खत्म होना तय है। वैसे भी समिति पर किसानों का विश्वास अभी तक नहीं जम पाया हैग और वे संशय की मुद्रा में हैं।

एक्सप्रेस न्यूज

नागिन डांस करने वाला दरोगा,सिपाही लाइन हाजिर

पीलीभीत, (एजेंसी)। उप्र में पीलीभीत जिले के पूरनपुर कोतवाली क्षेत्र में 15 अगस्त को खाकी वर्दी में नागिन डांस करने वाले दरोगा और सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि पूरनपुर थाना परिसर में 15 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम के दौरान उप निरीक्षक सौरभ कुमार और कांस्टेबल अनुज का फिल्मी गाने की धुन पर वर्दी में डांस करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। जिसका संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक पीलीभीत ने दोनों को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर किया गया है। इस सम्बन्ध में विभागीय जांच क्षेत्राधिकारी पूरनपुर को दी गई है। वायरल वीडियो के बाद जब पूरनपुर इंस्पेक्टर से बात की गई तो उन्होंने अनभिज्ञता प्रकट की थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी पूरनपुर वीरेंद्र विक्रम ने बताया कि इंस्पेक्टर सहित पुलिसकर्मियों का डांस का वीडियो संज्ञान में आया है लेकिन अभी तक किसी ने इस संबंध में कोई शिकायत नहीं की है। अगर कोई शिकायत करता है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

इंडोनेशिया में तीन संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

जकार्ता, (एजेंसी)। इंडोनेशिया के आतंकवाद निरोधी दस्ते (डेंसस 88) ने दो अलग-अलग अभियानों में आतंकवादी गतिविधियों के संदेह में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इंडोनेशिया राष्ट्रीय पुलिस के प्रवक्ता अहमद रमजान ने मंगलवार शाम को बताया कि दोनों संदिग्धों को देश की राजधानी जकार्ता से गिरफ्तार किया गया है और दोनों का घरेलू चरमपंथी समूह जमाह इस्लामिया (जेआई) के साथ कथित संबंध है, जो आईएस से जुड़ा हुआ है। श्री रमजान ने कहा कि इस दौरान, दक्षिण सुमात्रा प्रांत से एक अन्य संदिग्ध आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। वह कथित तौर पर एक जमाह अंशरुत दौला (जेएडी) का समर्थक है। बहरहाल, अधिकारी अभी इस मामले की जांच कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जेएडी पिछले साल मार्च में सुलावेसी द्वीप पर मकासर शहर के एक गिरजाघर में बम विस्फोट करवाए जाने का जिम्मेदार है और साल 2018 में पूर्वी जावा में चर्चों में कई आत्मघाती बम विस्फोट में भी शामिल है। इन हमलों में कई लोग मारे गए थे। समूह को 2018 में एक अवैध संगठन घोषित किया गया था।

अफगानिस्तान में आग से 800 परिवार विस्थापित

शिबेरघन, (एजेंसी)। अफगानिस्तान के उत्तरी जावजान प्रांत के फैजाबाद जिले के बाला मर्दियन गांव में हाल के दिनों में आग लगने से 800 परिवार विस्थापित हो गए है। एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता अब्दुल सत्तार हलीमी ने संवाददाताओं को बताया कि विस्थापित परिवार जावजान प्रांतीय राजधानी शिबेरघन शहर और पड़ोसी बल्ख प्रांत के लिए रवाना हो गए हैं। अधिकारी ने कहा कि आग आठ अगस्त से लगी जिसने फैजाबाद जिले के बाला मर्दियन गांव को अपनी आगोश में ले लिया है। जिसमें प्रति दिन पांच से छह घर पूरी तरह जल कर खाक हो गए हैं और कुछ घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। जिले अब तक कुल 120 घर जल कर नष्ट हो गए हैं।'' फैजाबाद जिले का बाला मर्दियन गांव आग से पूरी तरह तबाह हो गया है।

फ्रांस ने भारत से मांगा खाद्य सुरक्षा में सहयोग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के बीच मंगलवार रात टेलीफोन पर वैश्विक खाद्य सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक एवं आर्थिक परिस्थितियों पर विचार विमर्श हुआ। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री ने फ्रांस में सूखे की स्थिति और जंगलों में आग लगने की घटनाओं पर एकजुटता व्यक्त की। दोनों नेताओं ने सिविल परमाणु ऊर्जा में सहयोग और रक्षा सहयोग परियोजनाओं सहित सभी मौजूदा द्विपक्षीय पहलों की समीक्षा की। दोनों नेताओं ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक चुनौतियों के बारे में भी विचार विमर्श किया।

आज का इतिहास

- **1700:** मराठा साम्राज्य के महान सेनानायक बाजीराव प्रथम का जन्म।
- **1765:** जोसेफ द्वितीय रोमन सम्राट बना।
- **1800:** लार्ड वेलेजली ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना की।
- **1838:** अमेरिका का पहला नौसैनिक अभियान हुआ।
- **1872:** महाराष्ट्र के महान संगीतज्ञ पंडित विष्णु दिगंबर का जन्म।
- **1868:** फ्रांस के खगोलविद पियरे जेनसीन ने हिलियम की खोज की।
- **1891:** कैरिबियाई द्वीप मार्टिनीक्यु में चक्रवाती तूफान से 700 की मौत।
- **1900:** स्वतंत्रता सेनानी विजयलक्ष्मी पंडित का जन्म।
- **1924:** फ्रांस ने जर्मनी से अपनी सेना बुलाना शुरु किया।
- **1940:** पहली बार मौसम मानचित्र का टेलिविजन पर प्रसारण हुआ।

ज्ञानवापी केस के पैरोकार को पाकिस्तान से मिली धमकी

केस वापस लो नहीं तो सिर तन से जुदा

वाराणसी, (एजेंसी)। ज्ञानवापी- मां श्रृंगार गौरी केस के पैरोकार डॉ. सोहन लाल आर्य को पाकिस्तान से धमकी भरा कॉल आया है। 1984 से कानूनी लड़ाई लड़ रहे श्रृंगार गौरी-ज्ञानवापी केस के पैरोकार को मोबाइल पर काल करके केस से हटने और मुकदमा वापस लेने की धमकी दी गई। फोन करने वाले ने उनको धमकी देते हुए कहा कि अगर मुकदमा वापस नहीं लिया तो तुम्हारा भी सिर तन से जुदा कर दिया जाएगा। जो हाल राजस्थान के कन्हैया का हुआ वही हाल तुम्हारा भी होगा। डॉ।

सोहन लाल आर्य की पत्नी लक्ष्मी देवी के नंबर पर भी कॉल कर धमकी दी गई है। बता दें कि मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन-पूजन और ज्ञानवापी परिसर में नियमित पूजा-अर्चना और सुरक्षा के लिए दिल्ली की राखी सिंह के अलावा वाराणसी की 4 महिला मंजू व्यास,सीता साहू,रेखा पाठक और लक्ष्मी देवी ने मुकदमा दाखिल किया है। डॉ. सोहनलाल आर्य एक वादी लक्ष्मी देवी के पति और चार महिला वादियों के पैरोकार है।

पाकिस्तान से मिला कॉल- 19 मार्च 2022 को +923155984161 नंबर से उनको कॉल आया था। इसके बाद 19 जुलाई 2022 को +923068123737 नंबर से धमकी भरा कॉल आया। गौर करने वाली बात यह है कि ये दोनों धमकी भरे कॉल 19 तारीख को ही किए गए थे। उन्होंने पाकिस्तान से धमकी भरा कॉल आने की सूचना वाराणसी के पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी थी। अधिकारियों का कहना है कि डॉ. सोहन लाल आर्य की तहरीर के आधार पर लक्सा थाने में मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

वाराणसी के ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी केस में 1984 से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले और मौजूदा समय में 4 महिला वादियों के पैरोकार डॉ. सोहन लाल आर्य और उनकी पत्नी लक्ष्मी देवी जो ज्ञानवापी श्रृंगार गौरी केस में वादी है, इन दोनों को पाकिस्तान के नंबर से फोन पर ज्ञानवापी केस से वापस नहीं हटने पर जान से मारने की धमकी मिली, जिसके बाद उन्होंने उच्चाधिकारियों से संपर्क किया।

अब मरने का कौन सा डर

सोहनलाल आर्य ने कहा कि वह 1984 से ज्ञानवापी मामले को लेकर कानूनी लड़ाई न्यायालय में लड़ रहे हैं। उन्हें अपनी जान की चिंता नहीं है। उन्हें सबसे बड़ी खुशी इस बात की होगी कि जैसे राम मंदिर की लड़ाई जीत कर वहां भव्य मंदिर बनते देख रहे हैं, वैसे ही ज्ञानवापी की लड़ाई भी जीत कर उस पर भी फिर से मंदिर निर्माण होता देख सकें। डॉ. आर्य ने कहा कि 72 साल की उम्र हो गई अब मरने का कौन सा डर। अगर बाबा की सेवा में जान भी चली जाए तो कोई परवाह नहीं है इन धमकियों से उन्हें और उनके परिवार को कोई डर नहीं है, क्योंकि इस तरह की धमकी देने वाले अपना काम करेंगे और वह अपना काम करेंगे।

उत्तर कोरिया ने किया दो क्रूज मिसाइलों का परीक्षण

सियोल, (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने प्रतिबंधों के बावजूद बुधवार को पीले सागर में दो क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति युन सीओक योल अपने शपथ ग्रहण करने के 100 दिन पूरा होने पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में एक सैन्य अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

द. कोरिया के राष्ट्रपति योल के शपथ ग्रहण करने के 100 दिन पूरा होने पर यह जानकारी दी

'योनहाप' समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार दो दिन पहले दक्षिण कोरिया की ओर से उत्तर कोरिया को परमाणु हथियार निरस्त्रीकरण के बदले आर्थिक सहायता की पेशकश की थी। इससे पहले उत्तर कोरिया ने जनवरी में क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेना बीच होने वाले वार्षिक अभ्यास की शुरुआत से ठीक एक दिन बाद यह परीक्षण किया। जबकि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल और प्रक्षेपण को लेकर प्रतिबंधित किया हुआ है।

रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करेगा भारत: विदेश मंत्री

एस जयशंकर ने कहा- अच्छी डील किसे पसंद नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि रूस से तेल खरीदने के भारत के फैसले की अमेरिका और दुनिया के अन्य देश भले ही सराहना न करें, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है, क्योंकि नई दिल्ली ने अपने रुख का कभी बचाव नहीं किया, बल्कि उन्हें यह एहसास कराया कि तेल एवं गैस की अनुचित रूप से अधिक कीमतों के बीच सरकार का अपने लोगों के प्रति क्या दायित्व है।

जयशंकर भारत-थाईलैंड संयुक्त आयोग की नौवीं बैठक में भाग लेने के लिए मंगलवार को यहां पहुंचे और उन्होंने एक समारोह में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की। जयशंकर ने भारतीय समुदाय के साथ मुलाकात के दौरान यूक्रेन एवं रूस के मध्य जारी युद्ध के बीच, रूस से कम दाम पर तेल खरीदने के भारत के फैसले का बचाव किया और कहा कि भारत के कई आपूर्तिकर्ताओं ने अब यूरोप को आपूर्ति करना शुरू कर दिया है, जो रूस से कम तेल खरीद रहा है। उन्होंने कहा कि तेल की कीमत अनुचित रूप से अधिक हैं और यही हाल गैस की कीमत का है। उन्होंने कहा कि एशिया के कई पारंपरिक आपूर्तिकर्ता अब यूरोप को आपूर्ति कर रहे हैं, क्योंकि यूरोप रूस से कम तेल खरीद रहा है। जयशंकर ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, कि आज स्थिति ऐसी है कि हर देश अपने नागरिकों के लिए सर्वश्रेष्ठ सौदा करने की कोशिश करेगा, ताकि वह इन उच्च कीमतों का असर झेल सके और हम यही कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत रक्षात्मक तरीके से ऐसा नहीं कर रहा है। जयशंकर ने कहा कि हम अपने हितों को लेकर बहुत खुले एवं ईमानदार रहे हैं। मेरे देश में प्रति व्यक्ति आय दो हजार डॉलर है। वे लोग ऊर्जा की अत्यधिक कीमत को वहन नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना उनका दायित्व एवं नैतिक कर्तव्य है कि भारत को सर्वश्रेष्ठ सौदा मिले। रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका के साथ भारत के संबंधों पर पड़ने वाले असर के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने कहा कि मुझे लगता है कि न केवल अमेरिका बल्कि अमेरिका समेत सभी जानते हैं कि हमारी क्या स्थिति है और वे इस बारे में अब आगे बढ़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि जब आप खुलकर और ईमानदारी से अपनी बात रखते हैं, तो लोग उसे स्वीकार कर लेते हैं।

जयशंकर ने कहा कि वे हमेशा संभवतः उसकी सराहना नहीं करेंगे, लेकिन जब आप बात करते हैं और चालाकी करने की कोशिश नहीं करते, जब आप बिल्कुल सीधे तरीके से अपने हित सामने रखते हैं, तो मुझे लगता है कि दुनिया वास्तविकता को काफी हद तक स्वीकार कर लेती हैं। यूक्रेन पर रूस ने 24 फरवरी को हमला कर दिया था, जिसके बाद अमेरिका और यूरोपीय देशों ने उस पर कड़े प्रतिबंध लगाए। भारत ने पश्चिमी देशों की आलोचना के बावजूद रूस से यूक्रेन युद्ध के बाद तेल आयात बढ़ाया है और उसके साथ व्यापार करना जारी रखा है। इससे पहले, जयशंकर ने भारत के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों को रेखांकित किया।

जयललिता के स्मारक पर पुष्पांजलि

चेन्नई में बुधवार को एआईएडीएमके प्रमुख समन्वय ओ पन्नीर सेल्वम एवं कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के मरीना बीच स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

चीन में भीषण गर्मी, छह दशक का रिकॉर्ड टूटा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के कुछ प्रांत भीषण गर्मी तथा लू की चपेट में है और प्रचंड गर्मी ने 61 वर्ष का रिकॉर्ड तोड़ा है। शोध से पता लगा है कि चीन में असामान्य गर्मी की घटना जारी रहेगी तथा इसकी तीव्रता में वृद्धि होगी। इस वर्ष 15 अगस्त तक, चीन में 64 दिनों तक असामान्य गर्मी दर्ज की गई, जबकि पिछला रिकॉर्ड 2013 में 62 दिनों का था। मौसम विज्ञानियों ने 1,680 मौसम स्टेशनों का डेटा एकत्र किया है, जिन्होंने 35 डिग्री सेल्सियस (95 डिग्री फ़ारेनहाइट) से ऊपर तापमान दर्ज किया।

नन्हे-मुन्ने कृष्ण के मोहा मन सेवा भारती का श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव आयोजित

मरूधर विशेष

भरतपुर। दिनेश लेखी। सेवा भारती समिति द्वारा प्रतिवर्ष की भांति श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव के रूप में कृष्ण रूप सज्जा प्रतियोगिता इस बार भी अभिनंदन मैरिज होम में मंगलवार रात्रि आयोजित हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रकाश मोहन गुप्ता पत्रकार थे। जबकि अध्यक्षता आरएसएस के विभाग संघचालक भागीरथ सिंह ने की कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि बयाना बीएड कॉलेज की प्रिंसिपल डॉक्टर अंजु गोयल एवं प्रमुख व्यवसाई केदारनाथ वर्मा थे।

प्रतियोगिता में 3 वर्ष से 5 वर्ष 6 से 9 वर्ष आयु वर्ग के 86 बच्चों ने भाग लिया। विजेता रहे प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान पर विजेता रहे कार्यक्रम के दौरान पिछड़ी बस्ती के बालक बालिकाओं ने मंत्रमुग्ध कर देने वाले भजन नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किए इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं भगवान श्री कृष्ण के आगे दीप प्रज्वलित कर किया गया ।और आभार प्रदर्शन अशोक सैनी संचालन राजेश गुप्ता द्वारा किया गया। इस अवसर पर अजय अग्रवाल भुट्टे वाले, रवि प्रकाश सोनी, नारायणदास, योगेश सराफ, पराग अग्रवाल, कपिल मित्तल त्रिलोक जग्गी अशोक जिंदल, योगेंद्र खंडेलवाल, महिला मंडल संयोजक सपना जी किया सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक महिला व बच्चे मौजूद रहे।

गुजरात के बाद हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस को लगा झटका

विधायक समेत दो नेताओं ने थामा कमल का दामन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के कांग्रेस विधायक पवन कुमार काजल और लखविंदर सिंह राणा मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए हैं। भाजपा सूत्रों का दावा है कि अभी कांग्रेस के कुछ और नेता उनके संपर्क में हैं और चुनाव से पहले कांग्रेस का हाथ छोड़कर कमल का दामन थाम लेंगे। इससे पहले कांग्रेस ने भाजपा के पूर्व अध्यक्ष खीमी राम शर्मा व ठियोग से पूर्व एमएल, स्व. राकेश वर्मा की पत्नी इंदू वर्मा को पार्टी में शामिल करवा कर भाजपा को झटका दिया था। अब बीजेपी ने कांग्रेस को झटका देते हुए पवन काजल और लखविंदर राणा को अपने पाले में कर लिया है।

गुजरात में नरेश रावल व राजू परमार भाजपा में गए

गांधीनगर, (एजेंसी)। गुजरात में इस साल के अंत तक विधानसभा का चुनाव होना है। इस चुनाव के लिए सभी राजनीतिक पार्टियां जोर-शोर से लगी है। इस बीच राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस को बुधवार को एक बड़ा झटका लगा है। गुजरात कांग्रेस के दो दिग्गज नेताओं ने बुधवार को कांग्रेस को छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया। कांग्रेस को झटका देने वाले ये नेता हैं- पूर्व गृह राज्यमंत्री और मेहसाणा की विजापुर विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रहे नरेश रावल और पूर्व राज्यसभा सांसद राजू परमार। इन दोनों नेताओं ने बुधवार को आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा सदस्यता हासिल की। भाजपा की ओर से प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल ने दोनों को भाजपा का पटका पहनाकर पार्टी में शामिल कराया।कांग्रेस के ये दोनों नेता पहले से कांग्रेस से नाराज चल रहे थे। पिछले महीने ही इन दोनों ने पार्टी छोड़ने का ऐलान कर दिया था। पिछले महीने ही कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया था।कांग्रेस के इन दोनों नेताओं ने पिछले नेताओं ने कहा था कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यो से प्रभावित हैं।

इफको में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

प्रयागराज, (ब्यूरो)। इफको घियानगर में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर 76 वां स्वतंत्रता दिवस आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया गया।

सर्वप्रथम कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया द्वारा ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान हुआ। जिसके पश्चात कर्नल दिनेश सिंह के नेतृत्व में इफको सुरक्षा गार्ड एवं पी.ए.सी. बैण्ड द्वारा मार्च पास्ट किया गया। पीएसी बैण्ड द्वारा देशभक्ति की धुनों पर मनोहर प्रस्तुति दी जिसका नेतृत्व सूबेदार अरविंद कुमार ने किया। कार्यकारी निदेशक (इकाई प्रमुख) संजय कुदेशिया ने संदेश में कहा कि आज हम आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव इसलिए मना रहे है ताकि हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों व शहीदों को याद कर नई पीढ़ी उनके बलिदानों को जान सके जिनके द्वारा हमें स्वतंत्रता मिली है। इस दौरान उन्होंने महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, शहीद भगत सिंह व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके बलिदानों को याद किया। इकाई प्रमुख ने देश की सीमा पर तैनात जवानों एवं कानून व्यवस्था संभाल रहे जवानों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर इस वर्ष माननीय प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने की दिशा में इफको ने सार्थक कदम उठायें है। उन्होंने कहा कि जय जवान जय किसान जय विज्ञान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नारे को सार्थक बताया।

संजय कुदेशिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया

लाखन सिंह गुर्जर ने कठूमर एसडीएम का पदभार संभाला

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। बुधवार को लाखन सिंह गुर्जर ने कठूमर एसडीएम का पदभार ग्रहण किया। कठूमर के निवर्तमान एसडीएम रामकिशोर मीणा का कोटकासिम स्थानांतरण होने पर बुधवार को लक्ष्मणगढ़ से स्थानांतरित होकर आये कठूमर लाखन सिंह गुर्जर ने एसडीएम का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उपखंड कार्यालय के समस्त स्टाफ ने एसडीएम का स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर एसडीएम ने पत्रावलिओं का अवलोकन कर समस्त स्टाफ को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

विचार गोष्ठी, अभिलेख प्रदर्शनी व वार्ता आयोजित

प्रयागराज, (ब्यूरो)। पर्यटन एवं संस्कृति विभाग तथा जिला प्रशासन प्रयागराज के तत्वावधान में आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन श्रृंखला में स्वतंत्रता सप्ताह के अंतर्गत बुधवार को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों पर आधारित विचार गोष्ठी, वार्ता एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय सिविल लाइंस परिसर प्रयागराज में धूमधाम से संपन्न हुआ।

जिसमें सैकड़ों लोगों ने अभिलेख प्रदर्शनी का अवलोकन किया व परिचर्चा में शामिल हुए। इसका आयोजन गुलाम सरवर पांडुलिपि अधिकारी व उनकी टीम तथा अपराजिता सिंह क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी एवं उनके स्टाफ ने किया इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो. बीके सिंह पूर्व रजिस्ट्रार इलाहाबाद विवि प्रयागराज तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर पूर्व सूबेदार थल सेना कारगिल युद्ध विजेता श्याम सुंदर सिंह पटेल वरिष्ठ समाज सेवी प्रयागराज, चंद्रबली सिंह पटेल वरिष्ठ वकील हाईकोर्ट, डॉ. संध्या सिंह सहायक शिक्षा निदेशक पत्राचार संस्थान मंच पर उपस्थित रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता अपराजिता सिंह एवं संचालन हरीश चंद्र दुबे ने किया। सर्वप्रथम प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा फीता काटकर शुरू किया।

जिला कांग्रेस कमेटी ने आजादी की गौरव यात्रा पर शहीदों को किया नमन

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। जिला कांग्रेस कार्यालय पर किया किया झंडारोहण 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर मिठाई खिलाकर सभी को दी बधाई एवं शुभकामनाएं डॉक्टर जी एस नरूका जिला कांग्रेस कमेटी अलवर ने निकाली आजादी की गौरव यात्रा शहीदों को किया नमन शहीद स्थल कंपनी बाग अलवर में डॉक्टर जी एस नरूका पार्षद नगर पालिका गोविंदगढ़ अलवर जिला महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी अलवर प्रभारी दलजगत राजस्थान प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष श्री राजपूत सभा तहसील गोविंदगढ़ जिला अलवर ने जिला कांग्रेस कार्यालय पर झंडारोहण कार्यक्रम मे शिरकत की इसके बाद तिरंगा रैली मैं तिरंगा दिखाने के बाद शहीदी स्मारक कंपनी बाग अलवर में जाकर शहीद स्थल पर पुष्प चक्र अर्पित कर माला व पुष्प अर्पित किए सादर श्रद्धांजलि पुष्पांजलि एवं कोटि कोटि नमन किया।

इसके उपरांत इंदिरा गांधी स्टेडियम में

जिला प्रशासन द्वारा 15 अगस्त के कार्यक्रम में शिरकत की इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शकुंतला रावत उद्योग कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार थी कार्यक्रम में जिला कलेक्टर डॉक्टर जितेंद्र कुमार सोनी जिला पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम, अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम अखिलेश कुमार पीपल, एडीएम सिटी ओमप्रकाश सारण ,जिला कलेक्टर दित्य कुमारी वंदना खोरवाल, एसडीएम शहर अलवर प्यारेलाल सोठवाल सचिव आईएएस मैडम यूआईटी डिप्टी सेक्रेटरी योगेश डागोर भूमि आवंटन अधिकारी सोहन सिंह नरूका आर ए एस रसद विभाग अलवर के डीएसओ जितेंद्र सिंह नरूका, जिला आबकारी अधिकारी सीनियर आर ए एस उम्मेदी लाल मीणा ,आयुक्त नगर परिषद धर्मपाल सिंह जाट पुरातत्व विभाग जिला अधिकारी प्रतीभा यादव जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ श्रीराम शर्मा पीएमओ सामान्य चिकित्सालय डॉ. सुनील चौहान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मैम सरिता सिंह ग्रामीण एडमिशन एसपी श्रीमन लाल मीणा बिजली विभाग के एससी जोहरी लाल मीणा पीएचडी के सुनील गर्ग शिक्षा विभाग की सीनियर डियो मैडम पूनम गोयल आदि जिले के अधिकारी मौजूद रहे।